इंदौर में आयकर छापे

2368. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :–

(क) जुलाई, 1985 में आयकर **विभाग** के कर्मचारियों ने इंदौर के कुल **कितने** व्यापारियों और उद्योगपतियों के परिसरों पर छापे मारे;

(ख) इन छापों में कुल कितने मूल्य का अवैध सामान बरामद हुआ;

(ग) क्या यह सच है कि एक व्यवसायी के परिसर से भारी मात्रा में रेजगारी भी बरामद की गई; यदि हां, तो यह कितनी राशि थी; और

(घ) उनके बैंक के लाकरों से कितने मूल्य की सम्पत्ति बरामद की गई;

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) और (ख) आयकर विभाग ने इंदौर के व्यापारियों और उद्योगपतियों के पांच मामलों में तलाशियां लीं, जिनमें कुल मिलाकर इक्कीस परिसर शामिल थे और इनमें प्रथमदृष्टया 20.87 लाख रुपये (लगभग) मूल्य की लेखाबाह्य परिसम्पत्तियां पकड़ी गईं । यह तलाशियां वर्ष 1985 में जून के अन्तिम सप्ताह में शुरू की गई और जुलाई 1985 में पूरी हुईं;

(ग) कोई रेजगारी बरामद नहीं हुई ।

(घ) छः बैंक लाकरों की तलाशियां ली गईं जिनसे 9.82 लाख रुपये लगभग मूल्य की परिसम्पत्तियां पकड़ी गईं ।

आयकर, उत्पाद-शुल्क और सीमा शुल्क विभागों द्वारा अधिवक्ताओं की नियुक्ति

2369. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव** :
श्री बो० सत्य नारायण रेड्डी :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :–

(क) वित्त मंत्रालय के आयकर, उत्पाद-शुल्क और सीमा शुल्क विभागों द्वारा जिला न्यायालयों, उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में, राज्यवार कितने अधिवक्ता नियुक्त किये गये हैं; और

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इन अधिवक्ताओं की फीस के भुगतान के रूप में, न्यायालय वार कितना खर्च हुआ ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) तथा (ख) अपेक्षित सूचना एकत्र की जा रही है और वह यथाशीघ्र सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

संयुक्त राज्य अमरीका और सोवियत संघ के साथ व्यापार

2370. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की करेंगे कि :–

(क) सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ इस समय अलग अलग लगभग कितने-कितने मूल्य का व्यापार किया जा रहा है ;

(ख) क्या यह सच है कि सोवियत संघ के साथ सरकारी और गैर-सरकारी स्तर पर व्यापार बढ़ रहा है और अमेरिका के साथ घट रहा है, यदि हां, तो किन-किन क्षेत्रों में;

(ग) अन्य उन देशों के नाम क्या है जिनके साथ व्यापार बढ़ा है और इटली के साथ भारत के व्यापार की क्या स्थिति है ;

(घ) उन देशों के नाम क्या है, जिनके साथ हमारा व्यापार बढ़ा है और उनके साथ व्यापार की मदों का ब्यौरा क्या है ;

वाणिज्य मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री पो० ए० संगमा) : (क) तथा (ख) उपलब्ध अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की तत्संबंधी अवधि की तुलना में 1984–85 के पहले नौ महीनों के दौरान सोवियत संघ तथा सं० रा० अमरीका को भारत के निर्यातों तथा आयातों के मूल्य निम्नलिखित रूप में है :–

(मूल्य : करोड़ रुपये)

	अप्रैल–दिसम्बर 1983–84 (अ)	अप्रैल–दिसम्बर 1984–85 (अ)	प्रतिशतता परिवर्तन
सोवियत संघ :			
निर्यात	980.55	1125.28	+14.8
आयात	1189.34	1236.19	+3.9
कुल व्यापार	2169.89	2361.47	+8.8
संयुक्त राज्य अमरीका			
निर्यात	963.95	1252.40	+29.9
आयात	1273.03	1105.78	—13.1
कुल व्यापार	2236.98	2358 18	+5 4

स्रोत : वाणिज्य जानकारी तथा अंक-संकलन महानिदेशालय।

(अ) अनन्तिम तथा संशोधन के अध्यधीन ।

टिप्पणी :—देशवार निर्यात आंकड़ों में कच्चे तेल का निर्यात शामिल नहीं है ।

(ग) तथा (घ) इटली के साथ भारत के व्यापार की स्थिति निम्नलिखित के अनुसार है :

(मूल्य : करोड़ रुपये)

	अप्रैल-दिसम्बर 1983-84	अप्रैल-दिसम्बर 1984-85
निर्यात . . .	118.58	138.91
आयात . . .	157.20	194.86
कुल व्यापार .	275.78	333.77

उपलब्ध अनन्तिम आंकड़ों के आधार पर जिन प्रमुख देशों को भारत के निर्यातों में अप्रैल-दिसम्बर, 1983 की तुलना में अप्रैल-दिसम्बर, 1984 के दौरान वृद्धि हुई है उनमें फ्रांस, जर्मन संघीय गणराज्य, इटली, नीदरलैंड, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, बंगलादेश, जापान, मलेशिया, नेपाल, श्रीलंका, कनाडा, संयुक्त राज्य अमरीका, पौलैंड और सोवियत संघ शामिल है ।

जिन प्रमुख देशों से भारत में आयातों में अप्रैल-दिसम्बर, 1984 की तुलना में अप्रैल-दिसम्बर, 1984 के दौरान वृद्धि हुई उन देशों के नामों में बेल्जियम, फ्रांस, जर्मन संघीय गणराज्य, इटली, नीदरलैंड, ब्रिटेन, स्वीडन, स्विटजरलैंड, आस्ट्रेलिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाइलैंड, बहरीन, इराक, कुवैत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, मारक्को, जैरे गणराज्य, कनाडा, ब्राजील, रुमानिया और सोवियत संघ शामिल है ।

Corporate plans for public sector enterprises

2371. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the public sector enterprises have prepared corporate plans;

(b) what is the number of such public sector enterprises;

(c) whether these plans have any effect on the efficiency and production; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) Yes Sir.

(b) About 100 Central Public Sector Enterprises have Corporate Planning Systems in their enterprises.